Total No. of Printed Pages—3

**3 SEM FYUGP HINC3A**

**2025**

( Nov/Dec )

HINDI

( Core )

Paper : HINC3A

**( हिन्दी साहित्य : भारतेन्दु से छायावाद तक )**

*Full Marks* : 60

*Time* : 2 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×6=6

(क) 'कविवचन सुधा' पत्रिका के सम्पादक कौन थे?

(ख) द्विवेदी का पूरा नाम क्या है?

(ग) "छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।" किसने कहा है?

(घ) छायावाद युग में वेदना की कवयित्री किसे कहा गया है?

(ङ) हिन्दी साहित्य में खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य किसे माना गया है?

(च) 'कामायनी' में कुल कितने सर्ग हैं?

**2.** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) भारतेन्दुयुगीन चार प्रमुख कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

(ख) भारतेन्दुयुगीन राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

(ग) भारतीय सांस्कृतिक जागरण से आप क्या समझते हैं? संक्षेप में लिखिए।

(घ) जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ङ) मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(च) "पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

**3.** निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) हिन्दी काव्य में भारतेन्दु के योगदान को विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ख) द्विवेदीयुगीन काव्यों का विवेचन कीजिए।

(ग) छायावादी काव्य की प्रवृत्तिगत विशेषताओं का उल्लेख उदाहरण सहित कीजिए।



( Continued )



(घ) निराला के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(ङ) "हिन्दी काव्य को समृद्ध करने में द्विवेदी की भूमिका सराहनीय रही है।" सतर्क उत्तर दीजिए।

**4.** महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 8

**अथवा**

छायावाद के प्रमुख कवियों का नामोल्लेख करते हुए उनकी रचनाओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

★★★